

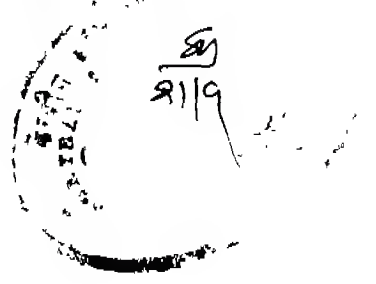


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 368]
No. 368]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अगस्त 2, 1984/श्रावण 11, 1906
NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 2, 1984/SRAVANA 11, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

प्रादेश

नई दिल्ली, 2 अगस्त, 1984

का. घा. 558 (अ)/18कक/आई. डी. आर. ए. 84.—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के प्रादेश सं. का. घा. 18 (अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./79 तारीख 6 जनवरी, 1979 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रादेश कहा गया है) आंध्र प्रदेश राज्य के श्री काकुलम जिले के सीतानगरम में श्री सी. का. विनिर्माण करने वाले मैसर्स श्री राम शुगर एण्ड इन्डस्ट्रीज लिमिटेड के एकक का (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त औद्योगिक उपक्रम कहा गया है) प्रबन्ध उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 65 की धारा 18 कक की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन 5 जनवरी, 1982 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है तीन वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण किया गया था और निजाम शुगर फैक्ट्री लिमिटेड को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था।

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के प्रादेश सं. का. घा. 7 (अ)/18 कक/आई. डी. आर. ए. 82 तारीख 5 जनवरी 1982 का. घा. 551 (अ)/18कक/आई. डी. आर. ए. 82 तारीख 2 अगस्त, 1982 का. घा. 80 (अ)/18कक/आई. डी. आर. ए. 83 तारीख 2 फरवरी, 1983 का. घा. 549 (अ) 18कक/आई. डी. आर. ए. 83 तारीख 2 अगस्त, 1983 और का. घा. 67 (अ)/18कक/आई. डी. आर. ए. 84 तारीख 2 फरवरी, 1984 द्वारा उक्त प्रादेश को 2 अगस्त 1984 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है अवधि के लिए जारी रखा गया था।

और केन्द्रिय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम 31 दिसम्बर, 1984 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है और अवधि के लिए निजाम शुगर फैक्ट्री लिमिटेड के प्रबंध के अधीन बना रहे।

अतः अब केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त प्रादेश 31 दिसम्बर, 1984 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[फा. सं. 4 (11)/78-सी. यू. एन.]

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 2nd August, 1984

S.O. 558(E)|18AA|IDRA|84.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 18(E)|18AA|IDRA|79, dated the 6th January, 1979 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the unit of Messers Sri Rama Sugars and Industries Limited manufacturing sugar at Seethanagaram in District Srikakulam in the State of Andhra Pradesh (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) was taken over under the clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of three years upto and inclusive of the 5th January, 1982, and the Nizam Sugar Factory Limited was authorised to take over the management of the said industrial undertaking ;

And, whereas, by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Nos. S.O. 7(E)|18AA|IDRA|82, dated the 5th January, 1982, S.O. 551(E)|18AA|IDRA|82, dated the 2nd August, 1982, S.O. 80(E)|18AA|IDRA|83, dated the 2nd February, 1983 S.O. 549(E)|18AA|IDRA|83, dated the 2nd August, 1983 and S.O. 67(E)|18AA|IDRA|84, dated the 2nd February, 1984, the said Order was continued for a period upto and inclusive of the 2nd August, 1984 ;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the said industrial undertaking should continue under the management of the Nizam Sugar Factory Limited for a further period upto and inclusive of the 31st December, 1984 ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 31st December, 1984.

[F. No. 4(11)|78-CUS]

का. प्रा. 558(प्र)/18अअ/आई. डी. प्रार. ए/84—
केन्द्रीय सरकार ने भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. प्रा. 902(प्र)/18अअ/आई. डी. प्रार. ए/80 तारीख 21 नवम्बर, 1980 द्वारा (जिसे हमसे इसके पश्चात उक्त आदेश कहा गया है) उद्योग विकास और विनियमन अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 अअ की उपधारा (I) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा की थी कि उक्त आदेश के जारी किए जाने की तारीख से ठीक पहले प्रवृत्त ऐसी संविदाओं सम्पत्ति के हस्तांतरण, पत्रों, करारों, परिनिर्धारणों पंचाटो, स्थायी आदेशों, या अन्य विस्तृत का (उनसे भिन्न जो 6 जनवरी, 1979 के पश्चात किए गए हैं/हुए हैं या प्रवृत्त हुए हैं) जिनका आन्ध्र प्रदेश राज्य के श्री काकुलम जिले के सीथानगरम में श्री सी. आर. विनिर्माण करने वाले मेसर्स श्रीराम शुगर एण्ड इंडस्ट्रीज लिमिटेड का एक या उक्त एक या स्वामित्व रखने वाली कंपनी एक पक्षकार है या जो उक्त एक या कंपनी को लागू हो प्रवर्तन एक वर्ष की अवधि के लिए निश्चित रहेगा और उक्त आदेश के जारी किए जाने की तारीख से पहले उसके

अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत सभी अधिकार विशेष अधिकार, बाध्यताएं और दायित्व उक्त अवधि के लिए निश्चित रहेगे।

और उक्त आदेश की अवधि को भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. प्रा. 820(प्र)/18अअ/आई. डी. प्रार. ए/81 तारीख 20 नवम्बर, 1981 का प्रा. 8(प्र)/18अअ/आई. डी. प्रार. ए/82 तारीख 5 जनवरी 1982 का प्रा. 552(प्र)/18अअ/आई. डी. प्रार. ए/82 तारीख 2 अगस्त 1982 का प्रा. 91(1)/18अअ/आई. डी. प्रार. ए/83 तारीख 2 फरवरी, 1983 का प्रा. 550(प्र) 18अअ/आई. डी. प्रार. ए/83 तारीख 2 अगस्त, 1983 और का. प्रा. 68(प्र) 18अअ/आई. डी. प्रार. ए/84/तारीख 2 फरवरी, 1984 द्वारा 2 अगस्त, 1984 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है और अवधि के लिए बढ़ाया गया था।

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि को ऐसे सभी मामलों की बाधन (उनसे भिन्न जो वेंकों और विन्तीय संस्थाओं के प्रति प्रतिभूत दायित्वों से संबंधित है) 31 दिसम्बर, 1984 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है और अवधि के लिए बढ़ा दिया जाए।

अनः अन्न केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 अअ उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त आदेश की अवधि को ऐसे सभी मामलों की बाधन (उनसे भिन्न जो वेंकों और विन्तीय संस्थाओं के प्रति प्रतिभूत दायित्वों से संबंधित है) 31 दिसम्बर, 1984 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है और अवधि के लिए बढ़ाती है।

[का. म. 4(11)/78-सी. य. एम.]

ए. पी. सरवन, संयुक्त सचिव

S.O. 559(E)|18FB|IDRA|84.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 902(E)|18FB|IDRA|80, dated the 21st November, 1980 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order (other than those which have been entered into, arrived at or come into force after the 6th January, 1979) to which the unit of Messers Sri Rama Sugars and Industries Limited, manufacturing sugar at Seethanagaram in the District of Srikakulam in the State of Andhra Pradesh or the company owning the said unit is a party or which may be applicable to the said unit or company shall remain suspended for a period of one year and all rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the date of issue of the said Order shall remain suspended for the said period;

And, whereas, the duration of the said Order was extended for a further period upto and inclusive of 2nd August, 1984 by the Orders of the Government of

India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Nos. S. O. 820(E)|18FB|IDRA|81, dated the 20th November, 1981, S. O. 8(E)|18FB|IDRA|82, dated the 5th January, 1982, S. O. 552(E)|18FB|IDRA|82, dated the 2nd August, 1982, S. O. 81(E)|18FB|IDRA|83, dated the 2nd February, 1983, S. O. 550(E)|18FB|IDRA|83, dated the 2nd August, 1983 and S. O. 68(E)|18FB|IDRA|84, dated the 2nd February, 1984;

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto and inclusive of the 31st December, 1984, in respect of all matters (except those

relating to secured liabilities to banks and financial institutions);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order for a further period upto and inclusive of the 31st December, 1984, in respect of all matters (except those relating to secured liabilities to banks and financial institutions).

[F. No. 4(11)|78-CUS]
A. P. SARWAN, Jt. Secy.

